राँची नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत गठित
सुशीला महिला समिति की सफलता की कहानी

सुशीला महिला समिति, हरमु की महिलाएँ अपनी मेहनत और लगन से आज आत्मनिर्भर बन चुकी है। वें LED Bulb का निर्माण कर रही है और उससे होने वाली आमदनी से अपने बच्चों की अच्छी परवरिश कर रही हैं, उसे अच्छे शिक्षा दिला रही है साथ ही भविष्य के लिए कुछ बचत भी कर ले रही है। इसके लिए बकायदा विकास भारती संस्था द्वारा प्रशिक्षण भी लिया है।

- **स्वयं सहायता समूह के बारे में**

सुशीला महिला समिति का गठन दिनांक–29.09.2019 को राँची के हरमु क्षेत्र में किया गया जिसमें 10 महिलाओं को जोड़कर यह समिति बनायी गयी एवं मात्र 10 रु प्रति महिला से बचत कर समिति की शुरूआत की गई।

- **कहाँ से वे प्रेरित हुए**

नगर निगम में कार्यरत सामुदायिक संगठनकत्ताओं, श्रीमति शीला तिर्की, श्रीमति रोज मधु तिर्की, सुश्री सुमन टोप्पों एवं श्री राकेश कुमार रवि के द्वारा हमें समिति गठन के बारे में जानकारी दी गई, समिति गठन एवं बचत करने के उपरान्त हमें LED Bulb बनाने का प्रशिक्षण दिलाया गया। इन्होंने ही हमें प्रेरित किया एवं हमारा मार्गदर्शन करते हुए हमें विकास भारती संस्था से प्रशिक्षण भी दिलाया और वर्त्तमान में भी किसी भी प्रकार की मदद की आवश्यकता होने पर ये सभी तैयार रहते है।

- **कठिनाइयाँः–**

1. इस कार्य के दौरान पहली कठिनाई में हमें परिवार के सदस्यों से ही जूझना पड़ा। परिवार के सदस्यों का यह कहना था कि ये सारे कार्य आप महिलाएँ कैसे कर पाएगीं क्योंकि ये कार्य अधिकतर पुरुषों के द्वारा किये जाते है। परिवार के सदस्यों का भी मदद/सहायता हमें शुरूआत में प्राप्त नहीं हुआ।

2. LED Bulb बनाने के दौरान उसमें बहुत सारे Parts एवं Machinory की आवश्यकता होती है, जो कि थोड़ा महँगा होता है। परन्तु शुरूआत में हमें इसे खरीदने में वित्तीय समस्या से भी जूझना पड़ा था।

3. सामाज में भी हमें कठिनाईयों का भी सामना करना पड़ा था कि पुरूषों का कार्य आप महिलाएँ कैसे कर पाएँगी और इसे कहाँ तक सफल बना पाएगी और क्या इसे बाजार में कभी बेंच पाएगी।

- **LED Bulb वों कैसे तैयार करती हैः–**

LED Bulb बनाने के लिए सुशीला महिला समिति की महिलाएँ LED Bulb के Body Parts को जैसेः–Defuser, Holder Capacitor & Cap इत्यादि को पटना से मंगा कर/खरीदकर Bulb की बॉडी एवं होल्डर को पंचिंग मशीन के द्वारा पंच कर फिक्स किया जाता है। फिर Bulb की बॉडी के अंदर Aluminium Plate के ऊपर Fixing Compound लगाकर LED को Hitsing Compound के द्वारा LED को चिपका दिया जाता है। एवं Screw से उसे कस दिया जाता है ताकि वो बाहर न आएँ। इस प्रकार LED के अलग–अलग बॉडी पार्टस् को जोड़ दिया जाता है।

- **<u>प्रशंसाः—</u>**

LED Bulb बना लेने एवं उनका सही रूप से मार्केटिंग करने के उपरान्त प्रथम प्रशंसा परिवार के सदस्यों एवं समाज के लोगों के द्वारा की गयी।

फिर DD News में हमारी मेहनत को सराहा और हमें और उत्साहित तब किया जब हमारे द्वारा बनाए जा रहे LEC Bulb की कवरेज को अपने DD News Channel में दर्शाया। DD News में News आने के बाद माननीय स्व० राम विलास पासवान, लोकसभा सदस्य, लोक जन शक्ति पार्टी के द्वारा Tweet कर हमारे कार्यों को सराहा गया।

वर्त्तमान में सुशीला महिला समिति में कार्य करने वाली महिलाओं द्वारा प्रत्येक माह 50—60 हजार रूपये की आमदनी की जाती है। हमारे द्वारा पूरूलिया, बोकारों, धनबाद एवं राँची के कोकर, चुटिया, हरमु इत्यादि क्षेत्रों में LED Bulb की बिक्री जाती है। इससे जुड़ी समिति की महिलाएँ आज आर्थिक रूप से सशक्त है एवं अपने परिवार की देखभाल बहुत अच्छे से कर रही है।

2020.11.27 15:55

2020.11.27 15:52

2020.11.27 15:52